

राजकीय कक्षा महाविद्यालय, सेक्टर - 52, गुरुग्राम
(हिंदी - विभाग)

हिंदी (Core)

बी.ए. प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

मासिक पाठ-योजना

सत्र - 2025-2026

(हिंदी साहित्य का इतिहास)
आदिकाल, भक्तिकाल, शैतिकाल

जुलाई:-

आदिकाल:-

- * हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परम्परा पर ~~का~~ विस्तारपूर्वक परिचय
- * साहित्य इतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं

- अगस्त :-
- * हिंदी साहित्य का इतिहास, काल विभाजन, सीमा निर्धारण
 - * आदिकाल का नामकरण और सीमाएं
 - * आदिकाल की परिस्थितियाँ : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, राजनीतिक
 - * आदिकालीन वर्गीकरण :- सिद्ध, नाय, जैन, रासो साहित्य
 - * शिक्षण के दौरान करवाएं गए विषयों का कक्षा परीक्षण

सितम्बर:-

- * आदिकाल की प्रवृत्तियाँ
- * पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता
- * भक्तिकाल का उद्भव और विकास
- * भक्तिकाल की परिस्थितियाँ :- सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
- * भक्ति आन्दोलन
- * भक्तिकालीन काव्य धाराएँ: वैशिष्ट्य और अवदान
- * शिक्षण के दौरान करवाएं गए विषयों का कक्षा परीक्षण तथा परियोजना कार्य

- अक्टूबर: -
- * संत काव्यधारा: वैशिष्ट्य
 - * सूफी काव्यधारा: वैशिष्ट्य
 - * राम काव्यधारा: वैशिष्ट्य
 - * कृष्ण काव्यधारा: वैशिष्ट्य
 - * भक्तिकाल: स्वर्णयुग आदि विषयों पर गहन चर्चा
 - * रीतिकाल नामकरण और सीमा
 - * कक्षा - परीक्षा
 - * विद्याविधियों की शंकाओं का समाधान

- नवम्बर: -
- * रीतिकालीन परिस्थितियों पर चर्चा
 - * रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व
 - * रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त विभिन्न काव्यधाराओं की विशेषताएं
 - * वस्तुनिष्ठ पुस्तकों का समाधान
 - * विद्याविधियों की सभी शंकाओं का समाधान
 - * पुनरावृत्ति

डा. शशीबाला

राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-52, गुरुग्राम

(हिंदी-विभाग)

हिंदी (Core)

बी.ए. द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

सत्र-2025-26

(मासिक पाठ-योजना)

(हिंदी कथाक्रम (240/HINM/CC303))

जुलाई:- कथाक्रम: (निर्धारित कहानियाँ)

* इंदगाह: प्रेमचंद

* पुरस्कार: जयशंकर प्रसाद

* गैंगीन - अज्ञेय

* मल्लिक का मालिक - मोहन राकेश

* देस: - कणीशकरनाथ रेणु

* फ़ैसला: मैत्री ~~का~~ पुष्पा

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की संपुस्तक आधार्या सहित

अगस्त:- * पच्चीस चौका डेढ़ सौ: ओमप्रकाश वाल्मीकि

पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी कहानियों की संपुस्तक

आधार्या और सभी लघुनाटक एवं अति लघुनाटक पुश्तों पर चर्चा।

सितम्बर:- हिंदी साहित्य का आधुनिक काल:

* आधुनिक काल की परिस्थितियों

* हिंदी उपन्यास उद्भव और विकास

- * हिंदी कहानी उद्भव और विकास
- * हिंदी नाटक उद्भव और विकास
- * वस्तुनिष्ठ पुश्तों पर चर्चा
- * शिक्षण के दौरान करवाएं गए विषयों का कक्षा-परीक्षण

अक्टूबर :-

- * हिंदी निबंध उद्भव और विकास
- * पारिभाषिक शब्दावली
- * पारिभाषिक शब्दावली का स्वरूप और महत्व
- * शिक्षण के दौरान करवाएं गए विषयों का कक्षा-परीक्षण तथा परियोजना कार्य
- * विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान

नवम्बर :-

- * पारिभाषिक शब्दावली के गुण
- * पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में सक्रिय: विविध सम्प्रदाय:

- राष्ट्रीयतावादी, अन्तरराष्ट्रीयतावादी, समन्वयवादी
- * सभी वस्तुनिष्ठ पुश्तों पर चर्चा
- * विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान
- * पुनरावृत्ति

डा. शशीबाला

राजकीय कन्या महाविद्यालय, सेक्टर-52, गुरुग्राम

(हिंदी-विभाग)

सत्र-2025-26

बी. ए. (MAJOR IN English) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

(AEC-हिंदी)

(मासिक पाठ-योजना)

AEC-(हिंदी भाषा एवं संप्रेषण)

जुलाई:-

- * संप्रेषण अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- * संचार और जनसंचार का अंतर
- * संप्रेषण के आधार तत्व

अगस्त: * संप्रेषण के विभिन्न प्रकार - मौखिक, लिखित और दंगित

* संप्रेषण में ज्ञानद्वियों की भूमिका

* संप्रेषण की प्रक्रिया

* हिंदी भाषा और संप्रेषण

* हिंदी वर्णमाला की व्यवस्था - स्वर, व्यंजन, अन्तस्व, अयोगवाह, संभ्रुत व्यंजन

सितम्बर:

* हिंदी की व्याकरणिक कौटिल्यां - भेद-पुंभेद

* हिंदी भाषा - काल, लिंग, वचन, पुरुष, कारक विभक्ति

* हिंदी की काव्य संरचना और संप्रेषण

* मौखिक वाच्य संरचना और संप्रेषण, उच्चारण सम्बन्धी त्रुटियां, बलाघात, स्वर, शब्द, अवाच्य और वाच्य

- * कक्षा-परीक्षा
- * परियोजना कार्य
- * विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान

- अक्टूबर :-
- * लिखित वाम्य संरचना और संप्रेषण - लेखन संबंधित, शब्दांतर, वाम्यगत तथा अन्य धाकरागिक मुद्रियाँ
 - * वाम्यांश और वाम्य
 - * संप्रेषण के बाह्यक रूप : वातावरण, पन्ना और भौता की पृष्ठभूमि, मनोवैज्ञानिक आधार
 - * आंगिक, हवन्यात्मक एवं अशाब्दिक संप्रेषण - अर्थ, स्वरूप एवं महत्व
 - * कक्षा-परीक्षा

- नवम्बर :-
- * आंगिक, संप्रेषण के प्रकार
 - * आंगिक, हवन्यात्मक एवं अशाब्दिक संप्रेषण की सीमारें
 - * आंगिक, हवन्यात्मक और अशाब्दिक संप्रेषण - वाक, समय और लेखन की वचन का साधार
 - * वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समाधान
 - * विद्यार्थियों की सभी शंकाओं का समाधान
 - * पुनरावृत्ति

डा. शशी बाला